Title: Need to protect the jobs of the workers of the Khadi and Village Industry.

श्री रामजीलाल ्सुमन (फिरोजा्बाद) : अध्यक्ष महोद्य, खादी एवं ग्रामोद्योग में 57 लाख कारीगर हैं, ्वे ्बेरोजगार होने की ्स्थिति में हैं। 40 लाख कारीगर ग्रामोद्योग में और 17 लाख लोग खादी में काम करते हैं। खादी ्संस्थाओं का अ्बों रुप्या राज्य ्सरकारों पर ्बका्या है, जो ्रिबेट मिलती थी, जो छूट मिलती थी, ्वह रुप्या ्बका्या के तौर पर राज्य ्सरकारों पर है जो अ्बों रुप्यों की रा्शि ्बनती है। ्वह पै्सा राज्य ्सरकारों ने अ्भी तक खादी एवं ग्रामोद्योग कमी्शन को अदा नहीं कि्या है। खादी ्संस्थाओं की ्वर्किंग कैपीटल है नहीं। 1956 में खादी एवं ग्रामोद्योग कमी्शन ्बना था। ्यह औटोनौम्स ्बा्ड़ी है और ्भारत ्सरकार के ्बजटी्य ्सपोर्ट ्से चलती है। ्यह ्संस्था और कारगर हो, इसके लिए ज्ब नर्सिंहरा्व प्रधान मंत्री थे त्ब 1993 में एक हाइ पा्वर कमेटी ्बनी और उ्सके ्बाद एक ्वर्किंग ग्रुप श्री प्रण्व मुखर्जी की अध्यक्षता में ्बना।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Suman, this is not a debate. You will get only two minutes.

श्री रामजीलाल ्सुमन (फिरोजा्बाद): अध्यक्ष महोद्य, उ्स ्वर्किंग ग्रुप ने कमिटमेंट दी थी की तीन ्वर्ा में दो लाख लोगों को रोजगार देंगे। अगर हाइ पा्वर कमेटी की ्सिफारि्शों को नहीं माना ग्या और खादी एवं ग्रामोद्योग आ्योग को टोटल ्बजिटरी ्सपोर्ट नहीं दि्या ग्या, तो ्यह ्संकट और ्बढ़ेगा।

अध्यक्ष महोद्य, रा्ट्रपति जी ने अपने अ्भि्भा्ण में और ्भारती्य जनता पार्टी ने अपने इलैक््शन मैनीफे्स्टो में ्यह कमिटमेंट की है कि एक करोड लोगों को प्रति ्वर्ा रोजगार देंगे। गांधी जी के ्विचार, गांधी जी के ्सिद्धान्त, गांधी जी की नीति और गांधी जी के रचनात्मक कामों और जंगे आजादी में ्स्वदे्शी और ्स्वा्वल्ंबन का जो हमारा नारा था, उन ्सब चीजों को ्भुलाने का काम ्यह ्सरकार कर रही है। अगर मैं मोटे तौर पर कहूं, तो गांधी जी के ्सिद्धान्तों के खिलाफ काम कि्या जा रहा है।

अध्यक्ष महोद्य, मेरा आपके मा्ध्यम ्से ्सदन और ्सरकार ्से ्विनम्र नि्वेदन है कि ्वह 57 लाख लोगों की रोजी-रोटी को ्बचाने की व्य्वस्था करे। धन्य्वाद।